B.A. Part - I Honours

इंगलैण्ड का इतिहास, Paper - II (Hist)

Q → चार्ल्स प्रथम के ग्यारह वर्षों के निरंकुश शासन काल का मूल्यांकन करें।

Ans → लाख प्रयत्न के बावजूद भी चार्ल्स प्रथम कॉमन्स सभा को न्यायालय मानने के लिए तैयार नहीं था। फलतः पार्लियामेन्ट क्रुद्ध होकर राजा का विरोध फिर करने लगी। अन्त में राजा तंग आकर तीसरी पार्लियामेन्ट को भी भंग कर दिया। इसके बाद से चार्ल्स को पार्लियामेन्ट शब्द से घृणा हो गयी और उसने कोई पार्लियामेन्ट नहीं बुलायी। इस समय से 11 वर्षों (1629-1640) तक चार्ल्स प्रथम अनियंत्रित शासन करता रहा। उसका यह शासन अवैधानिकता की पराकाष्ठा पर पहुँच गया था। उसने पार्लियामेन्ट की बैठक को बुलाये बिना प्रजा पर अनेक तरह से अत्याचार किया। शासक अब शासित की जरा भी चिन्ता नहीं करता था। चार्ल्स प्रथम अन्याय करने के तरीके में भी दक्ष था। इस तरह से उसके 11 वर्षों का शासन मनमाना (Tyranny) शासन काल माना जाता है।

अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से उसके इस 11 वर्षों के मनमाना शासनकाल को मुख्य रूप से तीन भागों में विभक्त किया जा सकता है - (1) धार्मिक दृष्टिकोण, (2) वित्तीय दृष्टिकोण और (3) न्यायिक दृष्टिकोण।

(1) चार्ल्स प्रथम की धार्मिक नीति → चार्ल्स प्रथम के निरंकुश शासन के विरुद्ध बगावत की अग्नि प्रायः सभी क्षेत्रों में फैल चुकी थी। इस समय उसके दो प्रमुख सलाहकार थे। उसके राज्य संबंधी सभी कार्य टॉमस वेंटवर्थ की राय से होते थे और धार्मिक क्षेत्र के सभी कार्य विलियम लॉर्ड के विचार से सम्पादित होते थे।

APRIL 2021

M	T	W	T	F	S	S
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

लार्ड पर चार्ल्स का अटूट विश्वास था। आर्क विशप बनने के बाद उसका धार्मिक क्षेत्रों में बोलबाला हो गया। सारे राज्य की धार्मिक नीति का वही निर्णायक हो गया। लाउड और बेंटवर्थ दोनों में दांत काटी दोस्ती थी।

उस समय चर्च में अनेक तरह की खराबियाँ आ गई थी। पवित्र चर्च नाट्यशाला और अस्तबल बन गया था। चर्च में प्रार्थना न होकर खेल-कूद और हँसी-मजाक होता रहता था। लाउड ने चर्च में कई तरह के महत्वपूर्ण सुधार किये। उसने कई गिरिजाघरों का निर्माण करवाया और बहुत धन खर्च कर पुराने गिरजाघरों का मरम्मत करवाया। उसने प्रार्थना प्रणाली में भी सुधार किया।

② आयरलैण्ड में निरंकुशता → यह तो इंगलैण्ड की स्थिति थी। चार्ल्स के निरंकुश शासन की काली घटा से आयरलैण्ड भी अछूता नहीं रहा। वहाँ बेन्टवर्थ चार्ल्स का प्रतिनिधित्व करता था और वह वहाँ का डिपुटी था। उसने वहाँ 1532 ई० में जाते ही धर्म संघ पर कर लगा दिया। वहाँ के निवासियों को अंग्रेजी प्रथा को मानने के लिए विवश करने लगा। इस ढंग से आयरलैंड में राजसत्ता स्थापित हो गई और वहाँ के जनता को हर तरह से कुचला गया।

③ स्काटलैण्ड में निरंकुश शासन → चार्ल्स के निरंकुश शासन से स्काटलैंड अछूता नहीं रहा और स्काटलैण्ड ही चार्ल्स के निरंकुश शासन के अन्त का कारण बना। स्काटलैंड के प्रेसबिटेरियन लोग बहुत शक्तिशाली थे। प्रायः प्रत्येक क्षेत्र में इन्हीं लोगों की चलती बनती थी। वे लोग चार्ल्स की शादी कैथोलिक धर्म का

B.A. Part - I Hons

(069-296) WK 11

10 WEDNESDAY • MARCH • 2021

FEBRUARY 2021

S	M	T	W	T	F	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28						

प्रचार सभी जगह अवश्य ही होगा। चार्ल्स और लाउड स्काटलैंड में बिशप द्वारा धर्म संघ की स्थापना करना चाहते थे। यहां की पार्लियामेन्ट में बिशप लोगों को ही भार दिया गया। यहां के लोग General Assembly की अनुमति के बिना कोई काम नहीं करते थे।

चार्ल्स प्रथम की वित्तीय नीति → निरंकुश शासन की सफलता और विफलता धन पर ही निर्भर करती है क्योंकि धन ही सरकार की रीढ होती है। चार्ल्स भली भाँति यह जानता था परन्तु वह लाचार था। एक ओर उसका खजाना खाली था तो दूसरी ओर पार्लियामेंट उसे एक पैसा भी नहीं दे रही थी। विदेशों के साथ लड़ाई चल रही थी जिससे शासन का खर्च काफी बढ़ गया था। उसने बार-बार पार्लियामेन्ट में धन की माग की परन्तु उसे एक पैसा भी नहीं मिला। अन्त में लाचार होकर उसने पर्याप्त धन इकट्ठा करने के लिए प्रयत्न किया। इसके लिए उसने उचित अनुचित की नहीं समझा और धन जमा के लिए निम्न उपायों का सहारा लिया :-

1. जंगल कानून
2. टनेज और पाउण्डेज वसूलना
3. नाइट फीस
4. कर्ज और दान
5. कंजूसी
6. युद्ध की तटस्थता
7. एकाधिकार (Monopoly) को बेचना

Scanned with CamScanner

T.D.C. Part - I, Paper - II Hons.

(8) भद्र लोगों का अपमान किया गया

(9) शिप मनी (Ship money)

चार्ल्स प्रथम ने अपने निरंकुश शासनकाल में मनमाने ढंग से लोगों से जबर्दस्ती कर्ज और दान वसूल किया। जो लोग उसे कर्ज और दान देने में हिचकते थे उन सबों को उसने खूब कुचला।

JUDICIAL POLICY → आजकल की भाँति ही उस जमाने में भी न्याय विभाग साधारणतः संरक्षक होता था। अगर संविधान में किसी प्रकार की गड़बड़ी आ जाती थी तो न्याय विभाग को ही दूर करना पड़ता था। न्याय विभाग ही प्रजा की स्वतन्त्रता की रक्षा करती थी। इसलिए इस विभाग को प्रायः आन्तरिक और वाह्य प्रभावों से मुक्त रखा जाता था। जिससे कि वह स्वतंत्र होकर जन-कल्याण करता रहे। लेकिन चार्ल्स इस महत्व को नहीं समझा और उसे 11 वर्ष के निरंकुश शासन काल में न्याय-विभाग को कार्य-कारिणी की अनुचर बनाकर रखा गया। जजों और सरकारी वकीलों पर पूर्ण रूप से राजा का ही अधिकार और प्रभाव था। राजा जो कुछ भी कहता था उसको वे लोग अन्धे बनकर सुनते और करते थे। अगर कोई वकील और जज राजा के पक्ष में फैसला नहीं सुनाते तो उन्हें बर्खास्त कर दिया जाता था और उन्हें कड़ी सजा दी जाती थी। एक प्रसिद्ध जज क्रिव (Crew) को चार्ल्स प्रथम ने इसलिए पदच्युत कर दिया था क्योंकि उसने राजा द्वारा लगाए गए जबर्दस्ती कर लेने (Forced Loan) को वैधानिक नहीं माना था। कुल मिलाकर 11 वर्षों के शासनकाल चार्ल्स प्रथम का हालत ठीक और सुरक्षित नहीं थी।

"The End"